

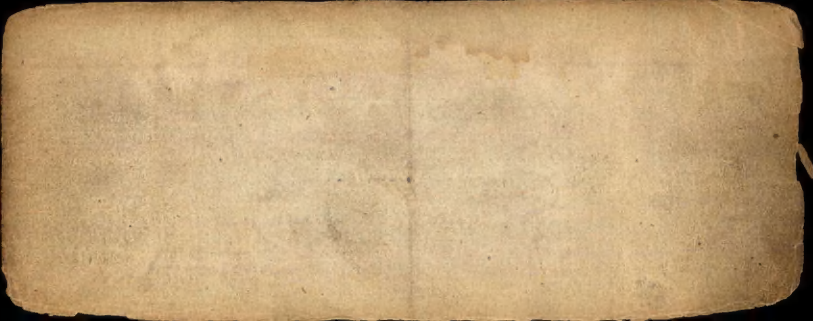


Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN20414	ImageGroup:	I3CN20416
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གཟའ་སྐར་ལེགས་ཉེས་སྟོན་བྱེད་སོགས་ཉེར་མཁོའི་ཆོས་སྟོད་རྩུང་དུ། gza' skar legs nyes ston byed sogs nyer mkho'i chos spyod chung ngu /
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 19



卷之六

ॐ ॐ ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्री कृष्णाय नमः । श्री यमेश्वराय नमः ।
 श्री नारायणाय नमः । श्री रामाय नमः ।

ཀུན་ལ་
ཐུག་པའི་

ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་
ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་

ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་
ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་

ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་
ཀུན་ལ་ཐུག་པའི་ཀུན་ལ་

[illegible]

১২৩৪

མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༡	༢	༣	༤	༥	༦	༧	༨	༩	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༡༠	༡༡	༡༢	༡༣	༡༤	༡༥	༡༦	༡༧	༡༨	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༡༩	༢༠	༢༡	༢༢	༢༣	༢༤	༢༥	༢༦	༢༧	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༢༨	༢༩	༣༠	༣༡	༣༢	༣༣	༣༤	༣༥	༣༦	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༣༧	༣༨	༣༩	༤༠	༤༡	༤༢	༤༣	༤༤	༤༥	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༤༦	༤༧	༤༨	༤༩	༥༠	༥༡	༥༢	༥༣	༥༤	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༥༥	༥༦	༥༧	༥༨	༥༩	༦༠	༦༡	༦༢	༦༣	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༦༤	༦༥	༦༦	༦༧	༦༨	༦༩	༧༠	༧༡	༧༢	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༧༣	༧༤	༧༥	༧༦	༧༧	༧༨	༧༩	༨༠	༨༡	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་
མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་	༨༢	༨༣	༨༤	༨༥	༨༦	༨༧	༨༨	༨༩	༩༠	ཕྱི་ལ་མཐུང་ལ་བློ་གྱི་འདིག་ས་འཕྲོ་

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुखं यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

མཐུན་མ་ཕྱེད་མེད་མ་འདྲ་ལས་འཕྲུག་།། རྒྱུ་ལ་འཕྲུག་ཕྱིན་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

કે' માત્રુદસ' લોભાસા । કે' વસ્તુરૂઢિય' યજ્ઞેણ પ્રીત' દુ' સૈયા । ૩

॥ अथ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

|| རྒྱུད་དཔྱད་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་ལྟར་། || རྒྱུད་དཔྱད་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་ལྟར་། ||

གཟུང་སྒྲུང་དེ་ལས་ཕྱོག་ཡེ་མོ། ། རྩེད་ཅུང་ལུས་ཅེ་འབྲས་འཁུར། །

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ५३ ॥

[illegible]

ལ་བཅུ་དྲུག་། །རྒྱལ་པོ་ཐུང་མ་ཅུང་དུ་བས་འགོ། །འདྲ་ལྡན་འདྲ་བ་མི་ཐར། །མེད་ཀྱི་ཕྱོག་ལ་

सुगतं देवकं के । रे वसवः यस्मै वायुः ॥ वसवः स्यात्तु वसवः स्यात्तु वसवः स्यात्तु
 वा दवः सुवर्चसः वसवः सुवर्चसः ॥ वसवः सुवर्चसः वसवः सुवर्चसः ॥ वसवः सुवर्चसः
 यः स्यात्तु वसवः यः स्यात्तु वसवः यः स्यात्तु वसवः यः स्यात्तु वसवः ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

60

[illegible]

[illegible]

२	१	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
२	४	६	८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६	५८	६०	६२	६४	६६	६८	७०	७२	७४	७६	७८	८०	८२	८४	८६	८८	९०	९२	९४	९६	९८	१००	१०२	१०४	१०६	१०८	११०	११२	११४	११६	११८	१२०	१२२	१२४	१२६	१२८	१३०	१३२	१३४	१३६	१३८	१४०	१४२	१४४	१४६	१४८	१५०	१५२	१५४	१५६	१५८	१६०	१६२	१६४	१६६	१६८	१७०	१७२	१७४	१७६	१७८	१८०	१८२	१८४	१८६	१८८	१९०	१९२	१९४	१९६	१९८	२००

ॐ॥ । पदस्य सुदृष्टिः॥ आपतः रोरः सुदृष्टिः देवैः पश्ये । दिव्यं सुदृष्टिः पश्ये ।
 हृदयः पश्ये ॥ सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ।
 सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ।
 सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ।
 सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ।
 सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ।
 सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये । सुदृष्टिः पश्ये ॥

ॐ
 ॐ
 ॐ

॥

學

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

52 62 72 82 92
 22 22 22 22 22

(Faint handwritten text in Devanagari script)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्री गुरुदेव्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥ श्रीगुरुदेव्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

157

 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12
 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12
 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12
 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12
 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12	 12

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥

॥

श्रीगणेशाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीकृष्णाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीरामाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीवish्वनाथाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीगणेशाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीकृष्णाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीरामाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः
श्रीवish्वनाथाय नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः	ॐ नमः

ॐ नमः

ਸਤੁਰਸ਼ੁਕ੍ਰ	੨੫	੨੬	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧
ਸ਼ਕੇਰੀ	੨	੩	੪	੫	੬	੭	੮
ਸੋਮਵਾਰ	੨੬	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨
ਵੀਰ	੨੬	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨
ਸਤੁਰਸ਼ੁਕ੍ਰ	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨	੩੩
ਸ਼ਕੇਰੀ	੩	੪	੫	੬	੭	੮	੯
ਸੋਮਵਾਰ	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨	੩੩
ਵੀਰ	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦	੩੧	੩੨	੩੩

[illegible]

魚尾

མེས་པ་དེ་སྒྲེང་སྒྲུང་ལྟོང་། ། ཡར་མ་མཐའ་དང་སྐར་པ་སྒྲུབ་པའི། ། མཐའ་དང་ཉི་མའི་ཕྱག་ལ་སྐུ་འཛུགས། །
སྒྲེང་ལ་སྐུ་སྐར་མཐའ་ཉི་མའི་ཕྱག་ལའི། ། རྩ་སྒྲིག་པ་ཁྱི་གཏོར་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར།
ཀའོར། ། སྐུ་ཐའི་མེས་པ་སྒྲུང་དང་། ། ཁྱི་མཐའ་དེ་ཉི་མའི་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་
མཐའ་ཐལ་པ་ཕྱག་ལ་ཁྱི་གཏོར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར། ། མཐའ་དང་ཉི་མའི་
ཕྱག་ལ་སྐུ་འཛུགས། ། ཉི་མའི་མཐའ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར།
ཕྱིར། ། རྩ་སྒྲིག་པ་ཁྱི་གཏོར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར།
མཐའ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར། ། ཡིང་ལ་ཐལ་པ་ཐལ་པ་སྐུ་སྐར་ཕྱིར།

[illegible]

६०१
४७१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो
 भगवते

[illegible]





ਬੁਧ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥
 ਭੁਵਨ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥
 ਭੁਵਨ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥
 ਭੁਵਨ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥
 ਭੁਵਨ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥
 ਭੁਵਨ ਭਾਗ ਸੁਖ ਭਾਗ ਭਾਗ ॥

[illegible]

[illegible]

ཕྱགས་དེ་མཁུ་པ་ལྟེན་ཡིན། ཕྱགས་ཆོག་གི་པུར་ལྟེན་ཕྱགས་ཕྱི་ལ། ཕྱགས་ཁ་ལྟེན་ཕྱི་ལ་ལྟེན།
ཕྱགས་ལྟེན་ཕྱི་ལ་ལྟེན། ཕྱགས་ལྟེན་ཕྱི་ལ་ལྟེན། ཕྱགས་ལྟེན་ཕྱི་ལ་ལྟེན། ཕྱགས་ལྟེན་ཕྱི་ལ་ལྟེན།



257

[illegible]

3

[illegible]

2

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

སེམས་དཔའ་སེམས་དཔའ་ཆེན་པོར་འཁྱམ་པོ་དག་དང་ཐམས་ཅད་ཅི་ཅི་འབྱུགས་སོ། །དེས་པའོ་ལྟོ་
 དཔའ་སྤྱོད་ཀྱི་འཁྱམ་པོ། གམ་ཐམས་དཔའ་ཆེན་པོས་སྤྱོད་པ་ལ་ལོ་ལ་དེ། ལྟོ་ལ་ཟེར་བ་ལྟོ་ལས་ཕན་ལ་ཕན་པོ་དང་
 གྱི་གྱི་འཁྱམ་པོ་དཔའ་ཆེན་པོར་འཁྱམ་པོ་ལྟོ་ལྟོ་ལ་ལོ་ལ་ལོ། །དེས་པའོ་ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་དང་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ཆེན་པོར་འཁྱམ་པོ་ལྟོ་ལྟོ་ལ་ལོ་ལ་ལོ། །དེས་པའོ་ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་དང་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་ལྟོ་ལྟོ་ལ་ལོ་ལ་ལོ། །དེས་པའོ་ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་དང་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་
 ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་ལྟོ་ལྟོ་ལ་ལོ་ལ་ལོ། །དེས་པའོ་ལྟོ་ལས་ཕན་པོ་དང་ལྟོ་ལྟོ་ལྟོ་

126

[illegible]

དཔལ་ཆེན་པོ་རྣམས་ལ་ཡན་གནས་པ་ཤིང་མ་པ་དེ་སྟེ་པས་ཡན་གནས་པ་དང་། དེ་ལ་ཁོ་ཀྱང་ཤིག་ཤིག་པས་
 བུ་ལུ་པ་ལོ་མས་དཔལ་ལོ་མས་དཔལ་ཆེན་པོ་རྣམས་ལ་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ཤིང་མ་པ་དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ལྟ་
 བཅོམ་ཡུན་རྒྱས་པོ་མཆོར་ལགས་པོ། བདེ་བར་གཤེགས་པ་པོ་མཆོར་ལགས་པོ། བཅོམ་ཡུན་རྒྱས་བུ་ལུ་པ་
 ལོ་མས་དཔལ་ཤིག་ཤིག་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ཤིང་མ་པ་དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ལྟ་ དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་
 ལྟ་ཡུན་རྒྱས་པོ་མཆོར་ལགས་པོ། དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ཤིང་མ་པ་དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ལྟ་ དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་
 ལྟ་ཡུན་རྒྱས་པོ་མཆོར་ལགས་པོ། དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ཤིང་མ་པ་དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་ལྟ་ དེ་སྟེ་པས་ཡོངས་སུ་གནད་པ་

[illegible]

9/26

བ་དང་། བཅོམ་ལྟན་འདས་བྱེད་ཅེ་དེ་དུས་ལ་ལ་འཕྱོར་ལ་འདི་སྒྲིལ་ཅེས་མཁའ་སྒྲུབ་དོ། འཕག་འཕྱོར་འདི་ལ་
 བྱུང་ལྟ་བུ་སེམས་དཔའི་སྒྲིལ་ལ་ལ་ཡལ་དག་པར་བྱས་པ་སེམས་ཅན་དེ་ཅོམ་
 སེམས་ཅན་དུ་བསྐྱེད་པས་མཐུས་པ། སྒྲིལ་ལས་སྒྲེལ་ལ་འཇམ་མཐའ་མཐའ་སྒྲེལ་ལ་འཇམ་དེ་གཤམ་ཁེ་
 ལས་སྒྲེལ་ལ་འཇམ་ཏུས་ཏེ་སྒྲེལ་ལ་འཇམ་གཟུགས་ཅན་མཇམ་གཟུགས་ཅན་མ་ཡིན་པ་འཇམ་འདྲ་ཤེས་
 ཅན་མཇམ་འདྲ་ཤེས་མེད་འདྲ་ཤེས་མེད་མེད་མཇམ་སེམས་ཅན་གྱི་ཁམས་དེ་ཅོམ་སེམས་ཅན་དུ་གྱུར་པ་
 ལས་བརྟན་པ་ལ་དེ་དག་གི་སེམས་ཅན་ལུ་ཡོ་ལྟ་གཤམ་མེད་པ་འཇམ་ཏུ་ལས་འདས་པ་དེ་དཔེ་དཔེ་སྒྲེལ་ལྟ་ལྟ་སྒྲེལ་ལྟ་ལྟ་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥
 रणवर्गपुरे वासुदेवा ॥ सुवर्गपुरे वासुदेवा ॥ सुवर्गपुरे वासुदेवा ॥ सुवर्गपुरे वासुदेवा ॥ सुवर्गपुरे वासुदेवा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ स्वर्गपुरे देवलोकेऽहोऽहो दरा कुवदरा सुरदरा सुरेदरा ॥

५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1875

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

སུད་མེད་དེ་མཁའི་དེ་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ལས་མཁའ་དུ་ཐུག་པའི་སྒྲིམ་མཁའ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། བཅོམ་ཡུལ་འདས་
 མཁའ་ལགས་སོ། །འདི་པར་ག་ཤེས་པ་མཁའ་ལགས་སོ། །སྤྱེས་པ་འཇམ་སུད་མེད་དེ་མཁའི་དེ་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ལས་
 མཁའ་དུ་ཐུག་པ་ལགས་སོ། །བཅོམ་ཡུལ་འདས་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ།
 དེ་སྤྱེད་ཀྱི་ལོ་ཆེན་པོ་ལྷན་གྱིས་རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། དེ་མཁའི་དེ་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ལས་མཁའ་དུ་ཐུག་པ་
 ལགས་སོ། །འདི་པར་ག་ཤེས་པ་མཁའ་ལགས་སོ། །སྤྱེས་པ་འཇམ་སུད་མེད་དེ་མཁའི་དེ་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ལས་
 མཁའ་དུ་ཐུག་པ་ལགས་སོ། །བཅོམ་ཡུལ་འདས་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ།
 རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ། རལ་འཕྲུལ་གྱིས་གསོ་ལ་པ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५४५५

[illegible]

སོ། །མདེཔར་ག་གེགས་པ་འམ་ཆེ་ལ་གསལ་སོ། །མཚོ་མ་ལྷན་འདས་མཛུགས་པའི་ཡེ་ཤེས་སྤྱེས་ཕུ་རྟ་མ་མོ།
མདུག་གིས་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲས་འདི་ལྷན་ཆད་པར་མ་བྲེས་ལ་གསལ་སོ། །དེ་ཅི་འདྲི་སྤྱད་ཏུ་ཁེམ། མཚོ་མ་ལྷན་འདས་
མདྲི་སྤྱེ་བ་ཤད་པ་འདི་ལ་གར་དག་པར་འདུ་ཤེས་བསྐྱེད་པར་འཁུར་བའི་སེམས་ཅན་དེ་དག་ཕྱི་འམ་ཆེ་ལ་
དེ་ལྷན་པར་འཁུར་ལ་གསལ་སོ། །དེ་ཅི་འདྲི་ཕྱི་ཁེམ། མཚོ་མ་ལྷན་འདས་པར་དག་པར་འདུ་ཤེས་གར་ལ་གསལ་པ་དེ་
ཅི་འདུ་ཤེས་མཁའ་ཆོས་པ་འདྲི་སྤྱད་ཏུ། ཤེས་པར་དག་པར་འདུ་ཤེས་ཁེམ་པའི་ཤེས་པ་ལ་གསལ་སོ། །
མཚོ་མ་ལྷན་འདས་པར་དག་པར་ཆོས་ཀྱི་རྣམ་གྲས་འདི་ལ་ཤད་པ་ལ་དྲོ་ཅི་འདྲི་མེས་པ་ཕྱི། མཛུགས་པ་འམ་ཆེ་ལ་པ་གྲུ་

[illegible]

[illegible]

Wilhelm

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

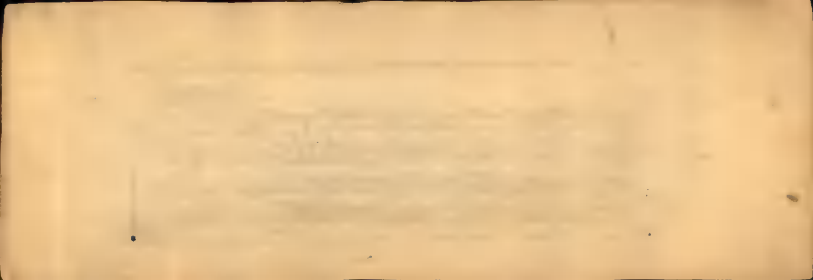
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཤོག་གྲངས་ 22 ན་ས་ 25 བར་ཆད།

missing page



351

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥
 देवत्विकेन गणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

WINTER 2014

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1924

[illegible]

མེད་པ་ཡང་མ་ཡིན་པོ། འདྲི་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།
ག་ཤེས་པ་ལས་དེ་དག་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།
རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།
ལལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།
ག་ཤེས་པ་ལས་དེ་དག་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།
ལལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ། རལ་ལྟེ་ལོ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1895

[illegible]

ॐ ॥ ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥
 कुसुमं दत्तं ॥ मिथ्यामन्त्रं दत्तं भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥
 यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥
 यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥
 यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥
 यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥ अस्मिन्ममसदुष्टं यत्वेन भूय ॥

ॐ

॥ पञ्च उवाच ॥ सन्निवृत्तं यत्तु यत्तु ॥ यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

॥ यत्तु यत्तु ॥

यत्तु यत्तु

यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

॥

यत्तु यत्तु



Handwritten text in the top left margin, possibly a date or reference number.

Handwritten text in the top section of the page, possibly a title or introductory paragraph.

Handwritten text in the first column of the table.	Handwritten text in the second column of the table.
--	---

Handwritten text in the bottom right corner, possibly a signature or date.

220 | 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

ཚེགས་མ་གནས་གསུམ་དག་ན་པ་ཐུགས་བྱ་ཡི། །དཔེ་ཡི་མཁའ་མཁའ་ཐུགས་བྱས་དང་། །བཟུང་
 རྒྱུ་དཔེ་གཤམ་བྱུང་ཐུགས་གསུམ་། །དག་པོ་གསུམ་ཐུང་བཟུང་མཁའ་མཁའ་དང་། །ལ་ཡི་ཐུགས་བཟུང་ན་མ་
 སོགས་། །ཐུང་གསུམ་གཞི་བདག་ཐུགས་མཁའ་དང་། །ཐུང་པེ་ཡུ་ལ་ཐུགས་མཁའ་འདི་ཀྱི་དེ་ཐུགས་། །ཐུགས་
 ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་མཁའ་དང་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །
 ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །
 ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་ཐུགས་། །

122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633

[illegible]

18100

ॐ । वदत यद्वाचं वरेदं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।
वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं वदत यद्वाचं ।

ॐ

[illegible]

四

42

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

正德九年五月
 丁巳
 五月
 丁巳

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ । पद्मपुत्रा नमः ।
देवपद्मपुत्रा नमः । । पद्मपुत्र
पद्मपुत्रा नमः । । पद्मपुत्र
पद्मपुत्रा नमः । । पद्मपुत्र

[illegible]

[illegible]

ཁྱུ་མཐོག་མཐོག་ལ་སྒྲུབ་པ་དང་། རང་དག་དོན་མཐོག་ལ་སྒྲུབ་པ་བཅའི་ཕྱིར། །
འཕྲུལ་དྲུབ་སེམས་དོན་ཐོག་ལ་པའི། །སྒྲུབ་པ་བཅའི་སེམས་མཐོག་ཐོབ་པ་ཡིད་དེ། །
འོན་ཀྱང་སེམས་པ་སྒྲུབ་པ་དེ་སེམས་པ་དྲུག་ལ་ཤིང་། །མི་ཤིས་པ་འདྲའི་བྱིང་བ་ཡི། །
སེམས་པ་ཅན་ལྟར་སྒྲུབ་པ་དང་། །སྒྲུབ་པ་འཕྲུལ་སྒྲུབ་པ་ཕྱི་ཕྱིར། །ཐོག་ལ་
པའི་སེམས་པ་ཁྱུ་མཐོག་ལ་སྒྲུབ་པ་དང་། །འགྲོ་བའི་སྒྲུབ་པ་སྒྲུབ་པ་དང་། །དེ་མཚུགས་

༤༩ - | རྩེད་པོ་དེ་ཉིད་མ་ཕྱེན། | དབང་པོ་བསམ་པ་མ་ཕྱེན་མཆོག་
 གི། | བཅོམ་ལྷན་འདས་བྱི་ཡེ་གསུམ། | གཞུགས་ཏེ་རྩེད་པོ་ཆོག་གི་
 བདག། | ཡེ་གསུམ་སྐུ་ཏེ་རྩེད་པོ་དང་། | འཇམ་དཔལ་ཡེ་གསུམ་སྐུ་
 དཔལ་འདི། | མཆོག་ཉིད་པ་དག་བརྗོད་པ་འི་མཆོག། | དོན་ཟབ་དོན་ཉི་
 རྩེད་ཆེན་མོ། | དོན་ཆེན་མཆོག་ཉིད་མ་ཇེ་དཔལ་ཞིབ། | ཐོག་མཐའ་དང་

[illegible]

ॐ॥ । सुखा सुखे । । वासाद रं ई वं चैव सा पदवा ॥ सुख सुखा
देसा पद सुखा पद सुखा । । पदवा गी सा पदवा पद सुखा पद सुखा
ॐ वं देसा सुखा पदवा पदवा । । वं देसा सुखा सुखा पद सुखा ।
सा सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा । । सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा
पद सुखा । । वासाद रं ई वं चैव सा पदवा ॥ सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा सुखा

ॐ । वासो यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । वासो यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । दक्षिणं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।
उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं । उत्तरं यदहं प्रथमं शुभं पुनरहं ।

[illegible]

པའི། །ལེགས་སོད་སྐལ་ལྷན་དྲུག་རྩེ་རྒྱུ་ཆད། །ལག་ན་དྲུག་ཕྱེད་ལེགས་སོ། །
གསུང་བའི་བདག་པོ་དཔྱིར་རས། །ཕྱེད་པ་ལེགས་པར་བརྟུན་པ་རྒྱ། །ཕྱེད་
ནི་ཆེ་གཞི་གཡིད་ཀྱིས་མེད། །བཅོམ་ལྷན་དྲུག་ནི་ལེགས་ཞེས་གསུང་། །དེ་ནས་
བཅོམ་ལྷན་རྒྱུ་ལྷུང་། །གསུང་ལྷགས་སྐལ་སྐལ་ཆེན་ཐམས་ཅད་དང་། །གསུང་
ལྷགས་སྐལ་ལྷགས་སྐལ་ཆེན་ཐམས་ཅད་དང་། །སྐལ་སྐལ་སྐལ་སྐལ་ཆེན་ཐམས་ཅད་དང་། །

ॐ॥ । रदिया हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया
 हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया हरे वर रदिया हरे वर ।
 रदिया हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया हरे वर रदिया हरे वर ।
 रदिया हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया हरे वर रदिया हरे वर ।
 रदिया हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया हरे वर रदिया हरे वर ।
 रदिया हरे वर रदिया हरे वर रदिया हरे वर । रदिया हरे वर रदिया हरे वर ।

[illegible]

△ 94

[illegible]

ཐུགས་པའ། །མཚན་པ་ཆེན་པོ་ཕྱོད་ཆེ། །ཕྱོད་ཆེན་པོ་དག་ཆེ། །མཚན་
པ་ཆེན་པོ་ཆགས་པ་ཆེ། །ཆགས་པ་ཐམས་ཅད་སྟེང་པ་དཔྱེད། །འདྲེན་པ་ཆེན་
པོ་བདེ་བ་ཆེ། །དག་འདྲེན་པ་ཆེན་པོ་མཉུན་པ་ཆེ། །ཉུན་པ་ཆེན་པོ་མཉུན་པ་ཆེ་བ་ཉི། །
ཁ་དྲོ་ཆེ་ཞིང་ལུས་པོ་ཆེ། །མེད་པ་ཆེ་ཞིང་རྒྱ་ཆེ་བ། །དེ་ཉིད་པ་ཆེན་པོ་
པ་ཆེན་པ་ཡིན། །འདྲེན་པ་མཚན་པ་ཆེན་པོ་ཆེ་བ་ཉི། །འོ་མེད་སྟེང་པ་ཆེན་པོ་ཉི།

ॐ॥ । केपरिभवेण । श्रवणसकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । ।
 सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । । वासपस्यरुद्रपकृद्वृत्तः । ।
 सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । । सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । ।
 सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । । सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । ।
 सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । । सुदपकृद्वृत्तश्रवणसकृद्वृत्तः । ।

པོ། །བཅོམ་འགྲུ་སུ་ཆེན་པོ་བརྒྱལ་བ་ཡིན། །པས་མཁུ་ཏེ་ཆེན་པོ་ཏིང་འཛིན་གསུམ།
ཤེས་སུ་ཆེན་པོ་ལུས་འཁོར་བ། །སྒྲུབ་སུ་ཆེན་པོ་ཐལ་སུ་ཆེན་པོ། །སྒྲུབ་པ་ལ་
པོ་ཤེས་སུ་ཆེན་པོ། །བྱམས་ཆེན་པོ་པའི་ཆེན་པོ་ལུ་ཆེན་པོ། །སྒྲུབ་པ་ཆེན་པོ་
ཆེན་པོ་ཆེན་པོ། །ཤེས་སུ་ཆེན་པོ་སྒྲུབ་པ་ཆེན་པོ། །མཁུ་སུ་ཆེན་པོ་ཐལ་སུ་ཆེན་
པོ། །རྒྱལ་སུ་ཆེན་པོ་སྒྲུབ་པ་ཆེན་པོ། །ལྷན་སུ་ཆེན་པོ་ལྷན་སུ་ཆེན་པོ།

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

བ། ། རྒྱུ་ཡམ་ཆེན་པོ་རྒྱུ་གཅིག་པ། ། དགོ་སྤོང་དགྲ་བཅོམ་ཟག་པ་ཟད། ། རྒྱུ་
ཆུ་སྤྲུལ་པ་དབང་པ་ལྷུ་ལ། ། བདེ་བརྒྱུད་པ་འཛིག་སྤྲུལ་མེད་ཐོབ། ། བསྐྱེད་
བརྒྱུ་རྒྱུ་བརྒྱུ་ག་པ་མེད། ། སྤྲུལ་པ་དཔྱད་ཀྱང་བརྒྱུ་ལ། ། བདེ་ག་ལྷུ་གས་
འཛིག་འཛིག་རྒྱུ་ག་པ་མཆོག་ ། བདེ་ག་གི་རྒྱུ་འཛིག་དཔྱད་ཀྱང་འཛིག་ ། བདེ་ག་པ་
གཅིག་ཀྱི་རྒྱུ་ལྷུ་ག་པ་ལ། ། རྒྱུ་རྒྱུ་འཛིག་པ་ལྷུ་ག་པ་ལ། ། རྒྱུ་རྒྱུ་ལ།

[illegible]

卷之四

ལོ་རྟོག་དབྱིངས་མི་པ་བཟད། །ཆོས་དབྱིངས་དཔལ་བཟད་མི་ཤེས། །བསོད་ནམས་
རྒྱལ་པ་བསོད་ནམས་ཆོས་ས། །ཡེ་ཤེས་ཡེ་ཤེས་འབྱུངས་ཆོས་ཆོ། །ཡེ་ཤེས་
ལྷན་པ་ཡོད་མེད་ཤེས། །ཆོས་སྐུ་ཉི་མཆོག་སྐྱེ་བ་སྐུ་སྐུ་པ་བོ། །རྟོག་པ་
གྲུ་རྒྱུ་ལ་རྒྱུ་པ་འབྱུང་ཆོས། །བསམ་པ་རྒྱུ་པ་སམ་བྱུངས་ལྷན་པ་བཟད། །ས་ས་
དང་རིག་མིག་ཡོད། །མཆོག་གི་དང་པོ་སྐུ་གསུམ་ཆོས། །སངས་རྒྱུ་ས་སྐུ་

ལྟོན་པ་

༢༣། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་ཅིང་མེད། །ཁྱེད་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ།
སངས་རྒྱལ་ལོ་དཔྱད་ཅིང་པ་ལྟོན་པ། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ།
སངས་རྒྱལ་ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པ། །སངས་རྒྱལ་ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པ།
མེད་པ། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ།
པ་ལྟོན་པ། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ། །ཕྱི་ལོ་དཔྱད་པའི་ལོ་དཔྱད་པ།

བཤིབ་དག | བློ་མཁུ་པའི་ལས་ཀྱི་དང་ལྟོ་དག | ཤེས་རབ་ཡེ་ཤེས་མེ་བོ་ཆེ། །
འོ་དེ་ཆེན་ཆེན་པོ་རྣམས་ཀྱི་དང་ལྟོ་དག | ཡེ་ཤེས་རྣམས་ཀྱི་དང་ལྟོ་དག | ཤེས་བཤིབ་པ་
མེ་ཡེ་ཤེས་སྒྲིག་པ། གཟི་བཤིབ་ཆེན་པོ་འདྲེན་པ་ལས་ལ། ལྷག་པོ་མཆོག་ལྷག་པོ་
འདྲེན་པ་ལས་ལྷག་པོ་ལ། གསལ་ལྷག་པོ་ལྷག་པོ་འོ་དེ་ཆེན་ཆེན་པོ་དག | གཟི་བཤིབ་ཆེན་
པོ་འོ་དེ་ཆེན་ཆེན་པོ་དག | བློ་མཁུ་པའི་ལས་ཀྱི་དང་ལྟོ་དག | ཤེས་བཤིབ་པ་ལྷག་པོ་
ལས་ལྷག་པོ་ལ། གསལ་ལྷག་པོ་ལྷག་པོ་འོ་དེ་ཆེན་ཆེན་པོ་དག | གཟི་བཤིབ་ཆེན་

[illegible]

ཨྲ། །སྒྲུབ་དྲུག་ཀྱི་འཕྲུལ་ལྟར་། །དྲུག་ཀྱི་སྒྲུབ་པ་ལྟར་། །མིག་ལོ་
 དྲུག་ལྟར་གྱི་ལོ་ལོ་སྒྲུབ་པ་། །ལྷ་མོ་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །དྲུག་
 མོ་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །སྒྲུབ་པ་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །གང་
 ལྟར་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །དྲུག་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །དྲུག་ལྟར་
 དྲུག་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །དྲུག་ལྟར་གྱི་ལྷ་མོ་སྒྲུབ་པ་། །དྲུག་ལྟར་

པའི། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས།
 ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས།
 རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས།
 པའི། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས།
 ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ། རྩོམ་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས། ལོ་སྟོན་ལྟ་བུ་ལོ་སྟོན་གསུངས།

ॐ । ह्रीं ऐं श्रीं दध्वा सा दध्वा दध्वा । ह्रीं ऐं कुं वृत्तिः
 वृत्तिः । गद कुं दध्वा दध्वा दध्वा दध्वा । विष्णो दध्वा दध्वा
 ह्रीं । रश्मि दध्वा दध्वा दध्वा । रश्मि दध्वा दध्वा दध्वा
 दध्वा । वृत्ति दध्वा दध्वा दध्वा । वृत्ति दध्वा दध्वा दध्वा
 दध्वा । दध्वा दध्वा दध्वा दध्वा । दध्वा दध्वा दध्वा दध्वा

[illegible]

金

७७। । छिदंते रश्मयः । प्रत्यक्षं सुखं ददं प्रुणं कं
 यं ह्ये । । रश्मयः सत्त्वं विवृण्वं प्रत्यक्षं । । ददं कं यं
 कं सत्त्वं ह्ये । । रश्मिं ह्ये सुखं न वृण्वं सत्त्वं ह्ये । । प्रत्यक्षं
 ददं कं यं ह्ये । । सुखं ददं कं यं ह्ये । । सुखं ददं कं यं ह्ये । ।
 सुखं ददं कं यं ह्ये । । रश्मिं ह्ये सुखं न वृण्वं सत्त्वं ह्ये । । रश्मिं ह्ये सुखं न वृण्वं सत्त्वं ह्ये । ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མཆོག་ལྟེན། །མཆོག་ཏུ་དགའ་པོ་རྒྱལ་གསལ་དག་དཔལ། །མཆོག་ལྟེན་མཆོག་
ལྟེན་གྱི་པོ་ལྟེན། །ལྟེན་པས་ཀྱི་དཔལ་ལྟེན་པས་ལྟེན། །འདྲི་གསལ་ཆོས་དག་ལྟེན་
དཔེ་ལྟེན་མཆོག་ །འདྲི་གསལ་པམ་ལྟེན་པས་པམ་པམ། །གཞི་གཞི་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་
པོ་ཆོས། །རལ་པ་ལྟེན་ལྟེན་པོ་ལྟེན་གསལ། །གཞི་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན།
ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་པོ་ལྟེན་པོ། །མཆོག་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན་ལྟེན། །ཆོས་ལྟེན།

རྟེན་གྱི་ལྷ་

༄༅། །པར་སྤྱོད་པ་བརྒྱལ་བྱེད་སྐུ་མཆོག་། །དཀར་ཕུང་མཆོག་།
ཕྱིན་དཀར་ཕུང་ཆོ། །གཙུག་ལྷན་དམ་པ་ཀུན་ལྷ་། །བུམ་ཟེ་ཆོད་
པ་ཆོད་སྐུ་ལྷ་། །ཕྱེད་ཀུན་ལྷ་པ་ཆོད་སྐུ་ལྷ་པ་ཐུབ་། །གྲོ་ལ་པ་ཐུབ་
པ་ཆོད་གྲོ་ལ་ལྷ་། །ཆོད་གྲོ་ལ་ཆོད་ཆོད་ཆོད་། །ཕྱེད་ཀུན་ལྷ་ཆོད་
ཕྱེད་ཀུན་ལྷ་། །ཡེ་ལྷ་སྐུ་པར་ཕྱེད་ཀུན་ལྷ་དང་ཆོ། །པར་སྤྱོད་ལྷ་སྐུ་ལྷ་

བམ་ཐར་གྱུར་པ། །ཆགས་བྱལ་ལུས་ལས་འདས་པ་པོ། །ཐུབ་པ་མེད་པ་
དཔེ་མེད་པ། །མི་མདོ་ནི་མི་སྒྲུང་གསལ་བྱེད་མི་ན། །ཆ་མེད་ཀུན་འཁྱོ་བྱུང་པ་
པོ། །ཐུགས་པོ་ནི་ཐུགས་པོ་མེད། །རྒྱལ་མེད་རྒྱལ་བྱལ་བྱེད་མེད། །ཉེས་པ་
ཐུངས་པ་སྒྲུབ་མེད་པ། །ཉི་མ་ཉེས་པ་ཉེས་པ་ཉི་མ་ཉེས་པ། །ཀུན་ཉེས་ཀུན་
ཉིས་ཉེས་པ་པོ། །ནམ་པ་ཉེས་པ་ཉི་མ་ཉེས་པ་ཉེས་པ། །ཡེ་ཉེས་ཀུན་ཉེས་པ་ཉེས་པ།

༡༣། ཁྱིམ་འཆད་པ། ཁྱམ་པ་རྟོག་མེད་ལྟོན་གྱིས་གྲུབ། །
 དུས་གསུམ་སངས་ཀྱིས་ལས་ཀྱིས་བྱེད་པ། སངས་ཀྱིས་ཐོག་མ་ཐོག་མ་
 མེད། འདྲུལ་སངས་ཀྱིས་སྤྱི་མེད་པ། ཡེ་ཤེས་མི་གཤམ་ཅིག་དུ་མ་
 མེད། ཡེ་ཤེས་ལྟས་ཅན་དེ་བཞིན་གཤམ་ཅིག་སྤྱི་མེད། ཁྱིམ་གྱི་འདྲུབ་པ་
 འདྲུབ་པ་ཐོག་མ། འདྲུབ་པ་ཉེ་མ་ཐོག་མ་འདྲུབ་པ་ཉེ་མ་འདྲུབ་པ་ཉེ་མ་

པམཛོག་གི་གནས། ། སྒྲུབ་ཀྱི་སེའུ་ཆུང་སྒྲུབ་པའོ། ། གུ་རུ་བུ་ལྟ་བུ་.....
མཛོག་ཏུ་ཕག་པར། ། གཟི་བུ་ཐུང་ཕྱི་ཕྱོད་ལྟ་བུ་ལྟ། ། རྒྱུ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་.....
ཕྱི་ཕྱོད་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་.....
ཕྱི་ཕྱོད་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་.....
ཕྱི་ཕྱོད་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་.....
ཕྱི་ཕྱོད་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་.....

མཐུན་པར་

༄༅། །སྐརད་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཅན་། །ཕྱོགས་ལ་རྒྱུ་མ་ལ་ཡི་རི་
མ་ཐར་ཐུག་པར་། །ཆོས་ཀྱི་རྒྱུ་ལ་མ་ཆོན་ཡོགས་པར་འཛུགས་། །
འཁོར་ན་དུགས་གཅིག་ཡང་སྤྲོད་། །བྱམས་དང་སྤྱི་དང་རྩེ་
དཀྱིལ་ཡེ་ཤེས་ཅན་། །དཔལ་ལྡན་པ་དམག་རྒྱུ་པ་དུག །བྱུང་
བདག་ཆེན་པོ་རིན་ཆེན་གཤུགས་། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་རྒྱུ་ལ་པོ་

[illegible]

[illegible]

支

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । वसुधैव कुटुम्बकम् । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।
 अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।
 अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।
 अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।
 अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।
 अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा । अथ यथा ।

[illegible]

ॐ॥ । चक्रावली १५५ । चक्रावली १५५ । चक्रावली १५५ ।
 पञ्च । । सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ ।
 सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ ।
 सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ ।
 सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ ।
 सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ । सैव सचक्रावली १५५ ।

गुणवत्तया । देवपुत्रगुणवत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया
व । । यत्तयावत्तयावत्तयावत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया ।
वदेवपुत्रगुणवत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया । वदेवपुत्र
गुणवत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया
वत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया । देवपुत्रपुत्रगुणवत्तया

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीं यदयथा कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 देवता सत्यं सत्कृत्य पदार्थं । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 पुं । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।
 सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा । सत्यं सत्कृत्य विदुषां कथा ।

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १२ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १३ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १४ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १५ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १६ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १७ ॥
 नमः शिवाय । सुखं वाचं ध्यात्वा । ॥ १८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्येवमपि सदा कुतारं देवादेव पदेव । मन्त्रैरेव
पश्यन्त्यस्युपाधी ननु । त्रिपुण्ड्रं चैव प्रपदिरेव । वसुधैव कुटुम्बकम्
वदिरेव च । पुण्यपुत्रं स्यात्पुत्रस्य स्यात् । इत्येवमपि सुखं यथा मया कथितं
यथा । मायारूपं यथा स्यात्पुत्रं यथा । ननु मया कथितं यथा स्यात्
पुत्रं । मन्त्रैरेव स्यात्पुत्रं स्यात्पुत्रं । पुत्रं कुतारं यथा स्यात्पुत्रं

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ । रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । । सदासु
खस्य सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । ।
सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । ।
रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । ।
प्रमाणकं च रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । । सदासुखस्य रद्वयप्रमाणकं च रहु । ।

[illegible]

[illegible]

ཕུག་འཁོལ་ཏེ། །རྩམ་མང་མགོ་ན་པོ་གཞི་ན་རྩམ་སྤངས། །གསལ་དབང་
ལག་ན་དོན་དེ། །ཐོ་པོ་རྩི་ལ་པ་ར་མཚས་རྩམ་སྤྲེས། །གསལ་དབང་རྩི་ན་
རྩི་ཁྱོ་གའ་དུག་སྤྲེས། །མགོ་ན་པོ་པ་དག་ཅག་རྩེ་སྤྲེས་པེ་དང་། །ལྷོག་སྤྲེས་
ལྷོག་སྤྲེས་ལྷོག་སྤྲེས་པ་ར་གསལ་དབང་། །པ་དག་ཅག་ལ་དང་གཞི་གསལ་པ་ལྷོག་
པ་དག་ཅག་ལ་པོ་རྩི་རྩམ་སྤངས། །ཐོ་པོ་རྩི་ལ་པ་ར་མཚས་རྩམ་སྤྲེས། །རྩམ་

五

༢༩། །ཐོལ་འབྲས་སུ་རྒྱུ་ཆེན་པོ་ཡི། །བོད་པ་ལོ་གསུམ་...
 དཔེ་ལྟ་བུ་རྒྱུ་ཆེན་པོ་ཡི། །སྤྱུལ་པ་དུ་མའི་ཆེན་པོ་ཡི་སྤྱུལ་པ། །ཟབ་ཅིང་
 ཡངས་ལ་ཁྱུ་ཆེན་པོ། །དེ་ཆེན་པོ་ལྟ་བུ་དུ་མའི་ཆེན་པོ་ཡི། །སངས་...
 ཁྱུ་ཆེན་པོ་སྤྱུལ་པ་དུ་མའི་ཆེན་པོ། །རྒྱལ་སྤྱུལ་པ་དུ་མའི་སངས་ཁྱུ་ཆེན་པོ་སྤྱུལ་
 པ་ལྟ་བུ། །

སེལ་སྒྲུབ་པའི་དོན་དམ་པའི་མཆོད་པ་དང་གཤམ་པར་བརྗོད་པ། བཞོམ་ལྟ་ན་
 འདས་ཏེ་བཞུགས་པའི་གསལ་པ་ལྟར་བཤད་པ་སྟེ་སྒྲུབ་པ་ལ་མཆོད་པར་
 བསྐྱོད་དང་། ། ། འདྲེ་མཆོད་པར་བཞུགས་པའི་མཆོད་པ་ལ་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པ།
 སྒྲུབ་པའི་སྒྲུབ་པ་ལ་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པའི་སྒྲུབ་པའི་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པ།
 སྒྲུབ་པ། འཕོ་མཆོད་ལྟར་འདྲེ་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པ། འདྲེ་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པའི་མཆོད་པར་བསྐྱོད་པ།

ॐ । पञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च
 दपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च
 पञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च
 पञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च
 पञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च
 पञ्चसुखीरुदपञ्चसदगदपञ्चपञ्चसुखीरुदपञ्च

[illegible]

ॐ॥ । नमो नमः सुभक्तस्य चैव नमः । ॐ नमः
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

ཅུག ། རྩེས་པ་ཉམས་པ་མེད་པར་ཡང་། ། གོང་ནས་གོང་དུ་འཕེལ་
བར་ཉེག་ ། ཡོ་མཆི་པ་རྩེ་རྩེ་ལྟ་ ། འདི་ནས་ཤི་འཕེས་ལྟར་ཅུག །
བར་དུ་འཕེལ་བུ་མེད་པར་ཡང་། ། རྩེ་རྩེ་སྐྱེས་པ་ཉམས་པ་མེད་
ཞུག་ ། རྩེ་རྩེ་སྐྱེས་པ་ཉམས་པ་མེད་པར་ཡང་། ། ཡོ་མཆི་པ་རྩེ་
རྩེ་ལྟ་ ། རྩེ་རྩེ་སྐྱེས་པ་ཉམས་པ་མེད་པར་ཡང་། ། རྩེ་རྩེ་སྐྱེས་པ་ཉམས་པ་མེད་པར་ཡང་།

༢༡། །བཟུང་པའི་དཔལ་གྱི་དཔལ་ལྡན་སྐྱེ་བའི་གསུང་བྱེད་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་།
བཟུང་པའི་དཔལ་གྱི་དཔལ་ལྡན་སྐྱེ་བའི་གསུང་བྱེད་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་།
པའི་དཔལ་ལྡན་སྐྱེ་བའི་གསུང་བྱེད་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་།
༢༢། །རང་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་བྱེད་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་བྱེད་ལྟེ་བས་ཅན་གསུང་།



ॐ । सुप्रसन्नमनसोऽस्मिन् । ॥

५३

ॐॐॐॐ । कुण्डलदत्त । अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त
रत्नदत्त । अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त
अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त । अष्टकृद्दत्त

གཞི

༄༅། །ཐུས་རང་བྱུང་ཐུབ་སེམས་དཔལ་ཕྱམས་
ཅད་ལ་ཡུག་ལྡོལ་ལོ། །འདི་སྐད་བདག་གིས་བྱོས་
པ་ཏུས་གཅིག་ན། བཅོམ་ལྷན་འདས་སྤྲུལ་བ་རུ་ཆ་...

[illegible]

ॐ । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।

ཁྱེད་ཀྱིས་ཀླུ་ལ་མཆོད་ཀྱི་ཚེ་མེད་དཔུང་ཀློང་ཁེས་ཕུ་བ་གཞན་གྱིས་མི་
ཐུབ་པ་དེ་ག་ཟུངས་ཟུང་ཞིག ། དེས་ཀྱང་སྤྱོད་ཀྱང་ཀློང་པ་སེམས་སྤེལ་
ཀྱུར་པ་ན། དེ་བཞིན་ག་ཤོག་སྤེལ་པ་གཞན་གྱིས་མི་ཐུབ་པ་དེ་ཀླུ་ལ་མཆོད་
ལས་འདེམ་མེས་སོ། ། མེས་ནས་ཀྱང་གཞན་ལ་ཀྱེ་ར་ཡང་དག་པར་
བཤད་དོ། ། མེས་པར་དཔེ་དེ་ཚུན་ཆད་འདིགས་པ་འུམ། བཀའ་བཤད་

[illegible]

गरे। पु. दु. द. ग. रे। प. द. न. द. से. म. स. ठ. व. व. म. स. ठ. द. ती। स. क. ०।
रि. म. पु. य. रि. म. पु. य। म. म. पु. य. म. म. पु. य। म. रि. य. म. रि. य।
व. रि. रि. य. व. रि. व.। म. पु. म. पु.। पु. म. पु. पु. म. पु.। पु. म. पु. म.।
म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.।
म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.। म. रि. म.।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । ह्रीं । ग्रीं । कल्पकम् । ह्रीं ह्रीं । ह्रीं ह्रीं ।
 ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं ।
 ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं ।
 ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं ।
 ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं ।
 ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं । ह्रीं ।

[illegible]

[illegible]

པར་ཕྱེད་དོ། ། པ་རོལ་གྱི་སྡེ་སྤྱི་གོང་པར་ཕྱེད་དོ། ། བཀྲ་ཤིས་པ་
དང་། གཙང་པ་དང་། གྲགས་པ་དང་། བདེ་ལེགས་ལུན་ལུན་
ཆོག་སྤྱི་པ་ཀུན་དུ་གཉན་སྤྱི་པར་ཕྱེད་དོ། ། བཙུག་ལྷན་གྱི་དཔལ་
ལྷན་དེ་སྤྱི་པ་ཀུན་དུ་གཉན་སྤྱི་པར་ཕྱེད་དོ། ། ལྷན་དེ་དཔལ་ལྷན་
ལྷན་དང་། ལྷན་ལྷན་དང་། ལྷན་ལྷན་དང་། ལྷན་ལྷན་དང་། ལྷན་ལྷན་དང་།

[illegible]



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पञ्चमः

ॐ । वरुणाय नमः ।
सुखं यः पश्यति ।
सुखं यः पश्यति ।
सुखं यः पश्यति ।

五

ॐ । ॥ १२ ॥ ॥ वदन् दद
वामरवकुवामरेष्टे वव
पुत्राय । ॥ पुनस्तु वदन् दद

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

12

[illegible]

[illegible]

ॐ । । सुद सुद पद पद पद पद । । उः गः ठः णः वा नः वा पः नः
 २६ गः पः नः उः वः णः वा नः वा पः नः । । देः वा नः वा नः वा नः वा नः वा नः
 वा नः वा नः । । सुद सुद पद पद पद पद । । उः गः ठः णः वा नः वा पः नः
 पः नः पः नः पः नः पः नः पः नः पः नः । ।
 सुद सुद पद पद पद पद । । उः गः ठः णः वा नः वा पः नः

[illegible]

卷之四

ॐ॥ श्रीः ॥ क्वं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥
 व्यापदं दुःखं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥
 दुःखं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥
 व्यापदं दुःखं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥
 दुःखं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥
 व्यापदं दुःखं दण्डिदं दुःखं वरुणं श्रीः ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四



ॐ । सुवन्द्युवमसुवेदवद्वनसम् ॥

ॐ

ॐ । ॐ । ॐ । ॐ ।
ॐ । ॐ । ॐ । ॐ ।
ॐ । ॐ । ॐ । ॐ ।

ཐཱ་ཨྱཱ་ཨྱཱ་

༡༡༡། འདས་པ་གྲུ་
འབྱེད་པ་རྣམས་ལྷོ་ཕྱོད་པ་
ལྷོ་ཕྱོད་པ་ལྷོ་ཕྱོད་པ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
सुखं भवतु मे सर्वदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवतु मे सर्वदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवतु मे सर्वदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवतु मे सर्वदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं भवतु मे सर्वदा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ ॥
 दशमस्कन्धः ॥ ॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

13407

[illegible]

四

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ कं र व स द ॥ र द स स स द ॥ र द स र स स द ॥ र स व र स स
व स द ॥ व स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥
ॐ ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥
र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥
र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥ र स स द ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । तत्सुदस्य वत्सलं देवपदं सुदं । तत्सुदस्य
वत्सलं देवपदं सुदं । तत्सुदस्य वत्सलं देवपदं सुदं ।
वत्सलं देवपदं सुदं ।



[illegible]

॥ ५५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वव्याधिरुद्धिदायकाय नमः ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ । पठेत्सुखं न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।
दत्तं त्रैलोक्ये न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।
न क्वचित् त्रैलोक्ये न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।
न क्वचित् त्रैलोक्ये न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।
न क्वचित् त्रैलोक्ये न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।
न क्वचित् त्रैलोक्ये न दत्तं त्रैलोक्ये न क्वचित् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ २ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ३ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ४ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ५ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ६ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ७ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ८ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ९ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ १० ॥

ॐ॥ विष्णवे नमः॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥
पञ्चमस्तोत्रम्॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥
पञ्चमस्तोत्रम्॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥
पञ्चमस्तोत्रम्॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥
पञ्चमस्तोत्रम्॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥
पञ्चमस्तोत्रम्॥ पञ्चमस्तोत्रम्॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मदेसगठठुमुद।।पवेगहृदपीमुद।।कदयग।।पवेगहृदपीमुद।।
मुदहृदपीमुद।।गतापवेद।।पवसगहृदपीमुद।।पवेगहृदपीमुद।।
पदगहृदपीमुद।।पवेद।।कदयगहृदपीमुद।।पवेगहृदपीमुद।।
पवेदगहृदपीमुद।।पवेद।।पवेदगहृदपीमुद।।पवेदगहृदपीमुद।।
गहृदपीमुद।।पवेदगहृदपीमुद।।पवेदगहृदपीमुद।।पवेदगहृदपीमुद।।

ॐ॥ श्रीचैतन्यदेव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।
प्रदत्तं पुण्यं देव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।
श्रीचैतन्यदेव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।
श्रीचैतन्यदेव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।
श्रीचैतन्यदेव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।
श्रीचैतन्यदेव । सदा भक्तवत्सलः श्रीचैतन्यदेव ।

[illegible]

ॐ । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र ।
 पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र ।
 पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र ।
 पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र ।
 पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र । पञ्चदशसहस्र ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

येषां सुष्ठु चैव ॥ अथ दत्तकस्य पुत्रस्यैव येषां सुष्ठु चैव येषां
पुत्रस्यैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां
येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां
येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां
येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां
येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां सुष्ठु चैव येषां

2187877

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ । अथ विसर्गः । अथ विसर्गः । अथ विसर्गः । अथ विसर्गः । अथ विसर्गः ।

विपदपदे यथासुखं भवेत् । पुनस्तु सख्यं सदा पश्येत् ।
तु कदापि न भवेत् । पुनस्तु । सुखं सदा भवेत् ।
पुनस्तु सख्यं सदा पश्येत् । तु कदापि न भवेत् । पुनस्तु ।
सदा पश्येत् । सुखं सदा भवेत् । पुनस्तु ।
तु कदापि न भवेत् । पुनस्तु । सुखं सदा भवेत् ।
पुनस्तु । सुखं सदा भवेत् । पुनस्तु । सुखं सदा भवेत् ।

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मन्त्रपदेन वा। सवदणदरा कुपदणदरा। विपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।
शुभं शुभं पदेन वा। सवदणदरा। कुपदणदरा। विपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।
कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।
कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।
कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।
कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा। कुपदणदरा।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

॥ वास्तव्यं चैव । सुखं च वैराग्यं च । सत्यं च धर्मः च । विद्या
चैव । अथैवायमर्थः पश्यन्निष्ठा । सर्वत्रापि यथासुखं सतीति । ननु
अस्माकं वास्तव्यं चैव । सुखं च वैराग्यं च । सत्यं च धर्मः च । विद्या
चैव । अथैवायमर्थः पश्यन्निष्ठा । सर्वत्रापि यथासुखं सतीति । ननु

ॐ ॥ २॥ ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥
 इति श्रीभक्तिसूक्तम् ॥

ॐ

ॐ
मन्त्रवर्णमस्तु॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
यत्पुण्यं कुरुते ॥ २ ॥
यत्पुण्यं कुरुते ॥ ३ ॥
यत्पुण्यं कुरुते ॥ ४ ॥
यत्पुण्यं कुरुते ॥ ५ ॥
यत्पुण्यं कुरुते ॥ ६ ॥

पुस्तक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो
भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་མཚན་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་
དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་
གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་།
ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་
དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་།
ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་
དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་། ཕུར་ཚུབ་སེལ་ས་དཔའ་བཟ་གྱིས་ལུང་དང་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

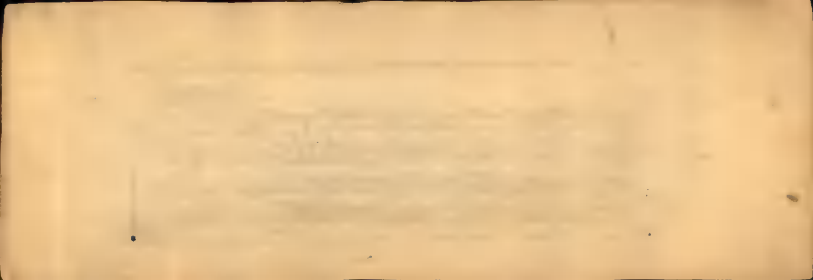
ON

[illegible]

[illegible]

ཤོག་བྲངས་ 7 པ་ཆད།

missing page



五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

५५। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्।
 यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्।
 यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्।
 यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्।
 यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्। यत्रिंशत्तुल्यं यथा तदस्यैतत्।

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

समस्तसु विषयेषु वृत्तवत् ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥
पुनरुक्तं विषयस्य द्वयस्यैव ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥
अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥
अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥
अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥
अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥ अतस्तत्त्वद्वयस्य प्रसक्तत्वे ॥

[illegible]

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ । प्रपद्यते प्रपद्यते प्रपद्यते ॥ प्रपद्यते प्रपद्यते ॥
 प्रपद्यते प्रपद्यते प्रपद्यते ॥ प्रपद्यते प्रपद्यते ॥
 प्रपद्यते प्रपद्यते प्रपद्यते ॥ प्रपद्यते प्रपद्यते ॥
 प्रपद्यते प्रपद्यते प्रपद्यते ॥ प्रपद्यते प्रपद्यते ॥
 प्रपद्यते प्रपद्यते प्रपद्यते ॥ प्रपद्यते प्रपद्यते ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व मे
 सर्वं ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥

卷之四

[illegible]

येनानुश्रुतम् । अथ च संदपत्तुं यत्प्रियं सदा रूपांशुः । कुप्यं प्रियं
कंठं च वदन्तु प्रियं सदा रूपांशुः । यत्प्रियं सदा रूपांशुः । कुप्यं प्रियं
येनानुश्रुतम् । अथ च संदपत्तुं यत्प्रियं सदा रूपांशुः । कुप्यं प्रियं
कंठं च वदन्तु प्रियं सदा रूपांशुः । यत्प्रियं सदा रूपांशुः । कुप्यं प्रियं
येनानुश्रुतम् । अथ च संदपत्तुं यत्प्रियं सदा रूपांशुः । कुप्यं प्रियं

ॐ । वज्रसूत्रसूक्तं पवित्रं पञ्चमं ।
 पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं ।
 पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं ।
 पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं ।
 पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं ।
 पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं पञ्चमं ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ । सुददेवदेः पदेत्येवास्य श्रेष्ठा । सुप्रद्युम्नस्य दश
श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ॥ श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता । श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ।
ॐ । सुप्रद्युम्नस्य दशश्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता । सुप्रद्युम्नस्य दश
श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ॥ सुप्रद्युम्नस्य दशश्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ।
श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ॥ सुप्रद्युम्नस्य दशश्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ।
श्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ॥ सुप्रद्युम्नस्य दशश्रीसाम्पत्तयेत्युक्ता ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमस्तुभ्यं नमः । अथ भूतप्रेतसंघोषः ।
नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः ।
नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः ।
नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः ।
नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः । नमस्तुभ्यं नमः ।

[illegible]

[illegible]

དང་། ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ཡིན་པུ་བཅས་པ་པོ་དཔལ་བཅས་པ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་
ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་
ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་
ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་
ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་
ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་ལྷ་པོ་མེད་པ་ལྟ་བུ་

[illegible]

पु. पु. पु. उ. स. व. द. । प. व. स. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।
व. पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।
प. पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।
प. पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।
प. पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।
प. पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. । पु. पु. व. द. ।

ॐ । वहेदपमपुत्रे ॥ देवि धर्मार्थं कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै व प्रमत्तं
मम हृदि कृतम् । कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै
वत्तं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै
वत्तं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै
वत्तं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै
वत्तं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै कर्तव्यं त्वत्पुत्रं प्रीत्यै

[illegible]

2014/12/28

[illegible]

1875
In the year 1875, the
population of the United States
was 38,555,955. The
population of the United States
in 1870 was 36,191,219.
The increase in population
in the five years was 2,364,736.